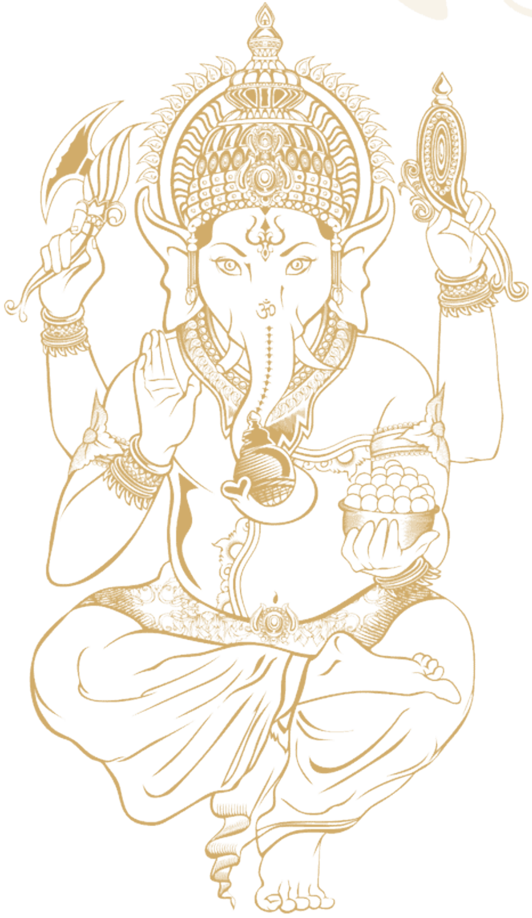

# ??????

03 Mar 2026

12:06 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121606702

| | |
|---|---|
| लिंग | पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | **03/03/2026** |
| दिन | मंगलवार |
| **जन्म समय** | **12:06:00 घंटे** |
| इष्ट | 13:23:29 घटी |
| **स्थान** | **Delhi** |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 28:39:00 उत्तर |
| रेखांश | 77:13:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | -00:21:08 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 11:44:52 घंटे |
| वेलान्तर | -00:11:57 घंटे |
| साम्पातिक काल | 22:29:05 घंटे |
| सूर्योदय | 06:44:36 घंटे |
| सूर्यास्त | 18:22:00 घंटे |
| दिनमान | 11:37:24 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | उत्तरायण |
| सूर्य स्थिति(गोल) | दक्षिण |
| ऋतु | वसन्त |
| सूर्य के अंश | 18:27:49 कुम्भ |
| लग्न के अंश | 27:19:11 वृष |

## अवकहड़ा चक्र

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | वृष - शुक्र |
| **राशि-स्वामी** | **सिंह - सूर्य** |
| **नक्षत्र-चरण** | **पू०फाल्गुनी - 1** |
| नक्षत्र स्वामी | शुक्र |
| योग | धृति |
| करण | बव |
| गण | मनुष्य |
| योनि | मूषक |
| नाड़ी | मध्य |
| वर्ण | क्षत्रिय |
| वश्य | वनचर |
| वर्ग | मूषक |
| युँजा | मध्य |
| हंसक | अग्नि |
| जन्म नामाक्षर | मो-मोहन |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | लौह - रजत |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | मीन |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | वृष | 27:19:11 | 345:41:23 | मृगशिरा | 2 | 5 | शुक्र | मंगल | गुरु | --- |
| सूर्य | | | कुंभ | 18:27:49 | 01:00:09 | शतभिषा | 4 | 24 | शनि | राहु | चंद्र | शत्रु राशि |
| चंद्र | | | सिंह | 15:53:00 | 13:20:55 | पू०फाल्गुनी | 1 | 11 | सूर्य | शुक्र | सूर्य | मित्र राशि |
| मंगल | | अ | कुंभ | 06:18:43 | 00:47:17 | धनिष्ठा | 4 | 23 | शनि | मंगल | चंद्र | सम राशि |
| बुध | व | अ | कुंभ | 26:25:15 | 00:43:34 | पू०भाद्रपद | 2 | 25 | शनि | गुरु | केतु | सम राशि |
| गुरु | व | | मिथु | 20:57:51 | 00:01:32 | पुनर्वसु | 1 | 7 | बुध | गुरु | गुरु | शत्रु राशि |
| शुक्र | | | मीन | 01:49:30 | 01:14:44 | पू०भाद्रपद | 4 | 25 | गुरु | गुरु | राहु | उच्च राशि |
| शनि | | | मीन | 07:46:18 | 00:07:13 | उ०भाद्रपद | 2 | 26 | गुरु | शनि | केतु | सम राशि |
| राहु | व | | कुंभ | 14:45:33 | 00:00:01 | शतभिषा | 3 | 24 | शनि | राहु | केतु | मित्र राशि |
| केतु | व | | सिंह | 14:45:33 | 00:00:01 | पू०फाल्गुनी | 1 | 11 | सूर्य | शुक्र | शुक्र | शत्रु राशि |
| हर्ष | | | वृष | 03:33:32 | 00:01:24 | कृतिका | 3 | 3 | शुक्र | सूर्य | शनि | --- |
| नेप | | | मीन | 06:54:05 | 00:02:11 | उ०भाद्रपद | 2 | 26 | गुरु | शनि | बुध | --- |
| प्लूटो | | | मक | 10:22:10 | 00:01:35 | श्रवण | 1 | 22 | शनि | चंद्र | चंद्र | --- |
| दशम भाव | | | कुंभ | 11:14:21 | -- | शतभिषा | -- | 24 | शनि | राहु | शनि | -- |

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

**चित्रपक्षीय अयनांश** : 24:13:29

## लग्न-चलित

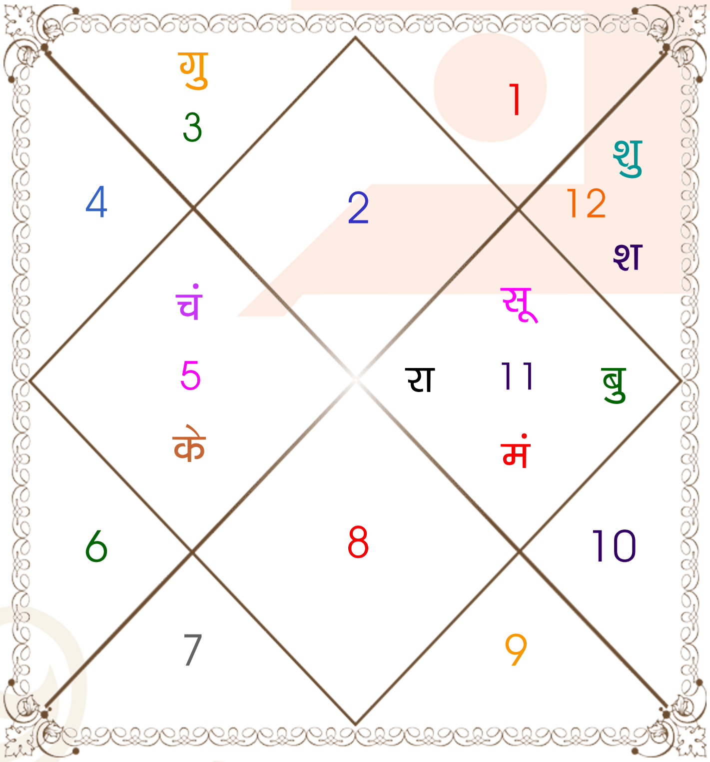


## चन्द्र कुंडली

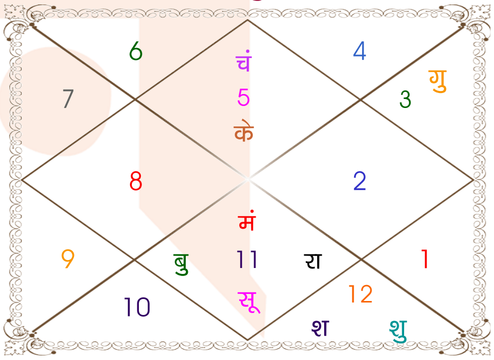


## नवमांश कुंडली

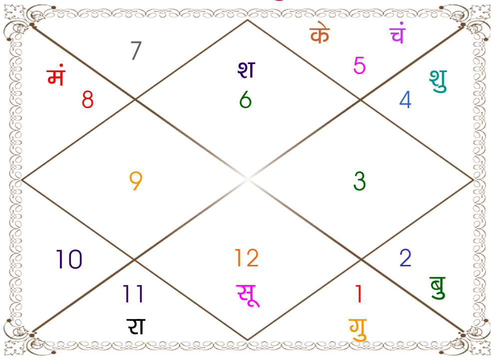

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : शुक्र 16 वर्ष 2 मास 3 दिन

| शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 03/03/2026 | | 06/05/2042 | | 05/05/2048 | | 06/05/2058 | | 06/05/2065 | |
| 06/05/2042 | | 05/05/2048 | | 06/05/2058 | | 06/05/2065 | | 06/05/2083 | |
| | 03/03/2026 | सूर्य | 24/08/2042 | चंद्र | 06/03/2049 | मंगल | 02/10/2058 | राहु | 17/01/2068 |
| सूर्य | 05/09/2026 | चंद्र | 22/02/2043 | मंगल | 05/10/2049 | राहु | 21/10/2059 | गुरु | 11/06/2070 |
| चंद्र | 05/05/2028 | मंगल | 30/06/2043 | राहु | 06/04/2051 | गुरु | 26/09/2060 | शनि | 17/04/2073 |
| मंगल | 06/07/2029 | राहु | 24/05/2044 | गुरु | 05/08/2052 | शनि | 04/11/2061 | बुध | 05/11/2075 |
| राहु | 05/07/2032 | गुरु | 12/03/2045 | शनि | 06/03/2054 | बुध | 02/11/2062 | केतु | 22/11/2076 |
| गुरु | 06/03/2035 | शनि | 22/02/2046 | बुध | 06/08/2055 | केतु | 31/03/2063 | शुक्र | 23/11/2079 |
| शनि | 06/05/2038 | बुध | 29/12/2046 | केतु | 06/03/2056 | शुक्र | 30/05/2064 | सूर्य | 17/10/2080 |
| बुध | 06/03/2041 | केतु | 06/05/2047 | शुक्र | 04/11/2057 | सूर्य | 05/10/2064 | चंद्र | 18/04/2082 |
| केतु | 06/05/2042 | शुक्र | 05/05/2048 | सूर्य | 06/05/2058 | चंद्र | 06/05/2065 | मंगल | 06/05/2083 |

| गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 06/05/2083 | | 06/05/2099 | | 07/05/2118 | | 07/05/2135 | | 07/05/2142 | |
| 06/05/2099 | | 07/05/2118 | | 07/05/2135 | | 07/05/2142 | | 00/00/0000 | |
| गुरु | 23/06/2085 | शनि | 10/05/2102 | बुध | 03/10/2120 | केतु | 03/10/2135 | शुक्र | 05/09/2145 |
| शनि | 05/01/2088 | बुध | 17/01/2105 | केतु | 30/09/2121 | शुक्र | 02/12/2136 | सूर्य | 04/03/2146 |
| बुध | 12/04/2090 | केतु | 26/02/2106 | शुक्र | 31/07/2124 | सूर्य | 09/04/2137 | | 00/00/0000 |
| केतु | 18/03/2091 | शुक्र | 28/04/2109 | सूर्य | 06/06/2125 | चंद्र | 08/11/2137 | | 00/00/0000 |
| शुक्र | 16/11/2093 | सूर्य | 10/04/2110 | चंद्र | 06/11/2126 | मंगल | 07/04/2138 | | 00/00/0000 |
| सूर्य | 05/09/2094 | चंद्र | 09/11/2111 | मंगल | 03/11/2127 | राहु | 25/04/2139 | | 00/00/0000 |
| चंद्र | 05/01/2096 | मंगल | 18/12/2112 | राहु | 22/05/2130 | गुरु | 31/03/2140 | | 00/00/0000 |
| मंगल | 11/12/2096 | राहु | 25/10/2115 | गुरु | 27/08/2132 | शनि | 10/05/2141 | | 00/00/0000 |
| राहु | 06/05/2099 | गुरु | 07/05/2118 | शनि | 07/05/2135 | बुध | 07/05/2142 | | 00/00/0000 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 16 वर्ष 2 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगे। आप सदैव ही नारी तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगे।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगे मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगे।

यद्यपि आप सहज स्वभाव के प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय व्यक्ति हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतें बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाते हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देते हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करते हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करते है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकते हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरष्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुए तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगे। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करते रहेंगे।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगे।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहते हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करते हैं। अंततः आपके महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगे। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगे।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति/पत्नी अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करते रहते हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करते हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति के स्वामी होंगे। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगे। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।